Baba’s Praise

16/2/2015

- हम बेहद के बाप से वर्सा ले रहे हैं । यह बुद्धि में याद रखना है ।

- हमारा जन्म होगा अमरलोक में । शिवबाबा को अमरनाथ भी कहते हैं । वह हमको अमर कहानी सुना रहे हैं, वहाँ हम शरीर में होते भी अमर रहेंगे ।

- बाबा को भी कहा जाता है-सौदागर-रत्नागर । रत्नों का सौदा करते हैं फिर जादूगर भी हैं क्योंकि उनके पास ही दिव्य दृष्टि की चाबी है ।

- यह है रूहानी नॉलेज, जो रूहानी बाप समझाते हैं । यह है त्रिमूर्ति ब्रह्मा, विष्णु, शंकर ।

- यह भी रचना है । रचयिता एक बाप हैं, वह होते हैं हद के क्रियेटर, यह हैं बेहद का बाप, बेहद का क्रियेटर ।

- बाप बैठकर पढ़ाते हैं, मेहनत करनी होती हैं । बाप गुल-गुल (फूल) बनाते हैं ।

- बाप बैठ कर्म, अकर्म, विकर्म की गति समझाते हैं ।

- तुम बाप से नई दुनिया का वर्सा लेते हौ । बाप हैं ही दु :ख हर्ता सुख कर्ता ।

- भक्ति मार्ग की सामग्री बड़ी लम्बी-चौड़ी है । जैसे झाड़ कितना लम्बा-चौड़ा है । इसका बीज है बाबा । यह उल्टा झाड़ है ।

- इस देवी-देवता धर्म के स्थापक को कोई नहीं जानते । कृष्ण तो बच्चा है । ज्ञान सुनाने वाला है बाप । तो बाप को उड़ाए बच्चे का नाम डाल दिया है ।

- बाप कहते हैं लीला कोई कृष्ण की नहीं है । गाते भी हैं-हे प्रभू तेरी लीला अपरम- अपार है । लीला एक की ही होती है । शिवबाबा की महिमा बड़ी न्यारी है । वह तो है सदा पावन रहने वाला, परन्तु वह पावन शरीर में तो आ न सके । उनको बुलाते ही हैं-पतित दुनिया को आकर पावन बनाओ । तो बाप कहते हैं मुझे भी पतित दुनिया में आना पड़ता है । इनके बहुत जन्मों के अन्त में आकर प्रवेश करता हूँ ।

- मुझे शरीर है तब सब कुछ करता हूँ । करनकरावनहार भी तब कहते हैं । नहीं तो कह न सकें । मैं जब इसमें आऊं तब आकर पावन बनाऊं ।

- तुम बच्चे इस समय सच्चे साहेब को जानते हो ।

- बेहद का बाप आकर बेहद का वर्सा देते हैं । गीत भी है-बाबा आप जो देते हो सो कोई दे न सके । आप हमको विश्व का मालिक बनाते हो, जिसको कोई लूट न सके ।